4

# कुंदन

# हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

WOODS
BOOK PUBLISHING

## कुंदन हिंदी व्याकरण–4

### 1. भाषा, लिपि और व्याकरण

**( क )** 1. भाषा के द्‌वारा 2. लिपि 3. 14 सितंबर को **( ख )** 1. भाषा 2. दो 3. हिंदी 4. रोमन 5. देवनागरी **( ग )** 1. 7 2. 7 3. 7 4. 7 5. 7 **( घ )** 1. महाराष्ट्र 2. उत्तर प्रदेश 3. गुजरात 4. कर्नाटक 5. केरल **( ङ )** 1. (1) **मौखिक भाषा–**जब हम अपने मन के विचारों को बोलकर प्रकट करते हैं और दूसरों के मन के विचारों को सुनकर समझते हैं, तो उसे भाषा का मौखिक रूप अथवा 'मौखिक भाषा' कहते हैं। आपस में बातचीत करना, वाद-विवाद करना, भाषण देना, फ़ोन पर बात करना आदि मौखिक भाषा के उदाहरण हैं। (2) **लिखित भाषा–** जब हम अपने मन के विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं अथवा दूसरों के विचारों को पढ़कर समझते हैं, तो उसे भाषा का लिखित रूप अथवा लिखित भाषा कहते हैं। समाचार-पत्र, पत्र, पुस्तकें लिखित भाषा के उदाहरण हैं। 2. भाषा को लिखने की विधि को लिपि कहते हैं। 3. देवनागरी 4. व्याकरण के तीन अंग हैं–(1) वर्ण-विचार (2) शब्द-विचार (3) वाक्य-विचार 5. आपस में बातचीत करने, वाद-विवाद करने, भाषण देने, फ़ोन पर बात करने आदि में मौखिक भाषा का प्रयोग देखने को मिलता है। **करने की बारी–** स्वयं करें।

### 2. वर्ण-विचार

**( क )** 1. वर्ण 2. 33 3. चार **( ख )** 1. इकाई 2. वर्णमाला 3. ग्यारह 4. अयोगवाह **( ग )** 1. (iii) 2. (i) 3. (iv) 4. (ii) **( घ ) पवर्ग–**प फ ब भ म, **टवर्ग–**ट ठ ड ढ ण, **तवर्ग–**त थ द ध न, **चवर्ग–**च छ ज झ ञ, **कवर्ग–**क ख ग घ ङ **( ङ )** 1. जो वर्ण दूसरे वर्णों की सहायता के बिना बोले जाते हैं, उन्हें स्वर कहते हैं। 2. जो वर्ण स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं, उन्हें व्यंजन कहते हैं। 3. व्यंजन के साथ स्वर जिस रूप में जुड़ते हैं, वे मात्रा कहलाते हैं। 4. जो वर्ण न तो स्वर हैं और न ही व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं। अं ( ं ), अँ ( ँ ) तथा अः ( : ) अयोगवाह हैं। **करने की बारी–**स्वयं करें।

### 3. शब्द-विचार

**( क )** 1. तत्सम 2. विदेशी 3. योगरूढ़ 4. चार प्रकार के (ख) 1. शब्द 2. तीन 3. दो 4. यौगिक **( ग )** मुँह, कौआ, भाप, लखन, दूध, हाथ, आग, नींद **( घ )** 1. शब्दों को चार आधारों पर बाँटा गया है–(1) उत्पत्ति के आधार पर (2) अर्थ के आधार पर (3) रचना के आधार पर (4) प्रयोग के आधार पर 2. अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–(1) सार्थक शब्द (2) निरर्थक शब्द 3. (1) वाक्य में प्रयोग करते समय जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, पुरुष, कारक के कारण परिवर्तन हो जाता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं। (2) वाक्य में प्रयोग करते समय जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, पुरुष, कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं। 4. अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं–(अ)

क्रियाविशेषण (ब) संबंधबोधक (स) समुच्चयबोधक (द) विस्मयादिबोधक **करने की बारी–**स्वयं करें।

### 4. संज्ञा

**( क )** 1. नरेंद्र मोदी 2. समूहवाचक 3. ईमानदारी 4. अक्षरधाम **( ख )** 1. गिलास, पानी 2. कक्षा, चार्ट 3. सरदार पटेल, लौहपुरुष 4. रामायण, महर्षि वाल्मीकि 5. ताजमहल, इमारत **( ग )** 1. 3 2. 7 3. 3 4. 3 5. 7 **( घ )** 1. जिन शब्दों के द्‌वारा किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव आदि के नाम का बोध होता है, उसे संज्ञा कहते हैं। 2. संज्ञा के निम्नलिखित पाँच भेद होते हैं–(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) जातिवाचक संज्ञा (3) भाववाचक संज्ञा (4) समूहवाचक संज्ञा (5) द्रव्यवाचक संज्ञा 3. मिठास, गरीबी, प्रसन्नता 4. कक्षा, सेना, भीड़ 5. सोना, चाँदी, गेहूँ, तेल, घी **करने की बारी–**स्वयं करें।

### 5. लिंग

**( क )** 1. दो 2. नायक 3. बहन **( ख )** 1. कुत्ता 2. गायक 3. सास 4. नदी **( ग )** 1.7 2. 3 3. 3 4. 3 **( घ ) चाबी**-स्त्रीलिंग, **थाली**-स्त्रीलिंग, **चाँदी**-स्त्रीलिंग, **ताला**-पुल्लिंग, **सोना**-पुल्लिंग, **कटोरा**-पुल्लिंग, **दीवार**-स्त्रीलिंग, **कमीज़**-स्त्रीलिंग **( ङ )** 1. धोबी कपड़े धो रहा है। 2. इस कविता की कवयित्री कौन हैं? 3. रानी सिंहासन पर बैठी हैं। 4. माताजी बाग में टहल रही हैं। **( च )** 1. शब्द के जिस रूप से स्त्री या पुरुष जाति का पता चले, उसे लिंग कहते हैं। 2. लिंग दो प्रकार के होते हैं–(1) पुल्लिंग (2) स्त्रीलिंग 3. संज्ञा शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध हो, उसे पुल्लिंग कहते हैं; जैसे-धोबी, बैल, लड़का, शिक्षक आदि। 4. **सदैव पुल्लिंग रहने वाले चार शब्द–**भारत, सोना, पेड़, पौधा। **सदैव स्त्रीलिंग रहने वाले चार शब्द–** सवारी, मछली, गिलहरी, कोयल। **करने की बारी–**स्वयं करें।

### 6. वचन

**( क )** 1. चिड़ियाँ 2. एकवचन 3. बहुवचन **( ख )** 1. तारे 2. अध्यापिकाएँ 3. कविताएँ 4. चिड़िया **( ग )** रुपया, सेना, आँख, कमरा, घोड़ा, कन्या **( घ )** पंखे, दवाइयाँ, वधुएँ, मालाएँ, मछलियाँ, तिथियाँ **( ङ )** 1. शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या एक से अधिक होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं। 2. **एकवचन**–शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे-पुस्तक, माला, मुर्गी आदि। पुस्तक, माला और मुर्गी शब्दों से उनके संख्या में एक होने का पता चला रहा है। अत: ये शब्द एकवचन हैं। **बहुवचन**–शब्द के जिस रूप में उसके संख्या में एक से अधिक होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे-पुस्तकें, मालाएँ, मुर्गियाँ आदि। पुस्तकें, मालाएँ और मुर्गियाँ शब्दों से उनके संख्या में एक से अधिक होने का पता चल रहा है। अत: ये शब्द बहुवचन हैं। 3.

सम्मान प्रकट करने के लिए बहुवचन का प्रयोग किया जाता है। **करने की बारी**–स्वयं करें।

### 7. कारक

**( क )** 1. आठ 2. अधिकरण 3. ने 4. संबोधन **( ख )** 1. का 2. ने, को 3. से 4. की, से 5. के **( ग )** 1. कर्म 2. अधिकरण 3. संप्रदान 4. कर्ता 5. संबोधन 6. संबंध 7. करण, अपादान 8. करण **( घ )** 1. राम पाठशाला से आया है। 2. तुमको क्या खाना है? 3. तोता पेड़ पर बैठा है। 4. मैं दिल्ली जाऊँगा। 5. हरी का भाई घर पर है। **( ङ )** 1. कर्ता 2. अपादान 3. कर्म 4. कर्ता 5. संबोधन **( च )** 1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया या वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जाना जाए, उसे कारक कहते हैं। 2. **कर्ता कारक**–ने, **कर्म कारक**-को, **करण कारक**-से, के द्वारा, **संप्रदान कारक**-को, के लिए, **अपादान कारक**-से, **संबंध कारक**- का, की, के **अधिकरण कारक**-में, पर, **संबोधन कारक**-हे, अरे 3. कारक आठ प्रकार के होते हैं–(1) कर्ता (2) कर्म (3) करण (4) संप्रदान (5) अपादान (6) संबंध (7) अधिकरण (8) संबोधन 4. **करण कारक**–जिस साधन से कार्य किया जाए, उसे करण कारक कहते हैं। **संबंध कारक**–जिस शब्द से दो चीज़ों के बीच के संबंध का ज्ञान होता है उसे संबंध कारक कहते हैं। **करने की बारी**–स्वयं करें

### 8. सर्वनाम

**( क )** 1. छह 2. तीन 3. प्रश्नवाचक 4. निजवाचक **( ख )** 1. उसका 2. हमें 3. कोई 4. किस 5. वैसा **( ग )** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ **( घ )** 1. मैदान में कोई खड़ा है। 2. आप अपने घर जाइए। 3. मैंने अपनी फ्रॉक अलमारी में रख दी है। 4. क्या तुम मेरी बात नहीं मानोगे? 5. मुझे अपनी कविता याद करनी है। **( ङ )** 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। 2. सर्वनाम के छह भेद हैं–(1) पुरुषवाचक सर्वनाम–उत्तम पुरुष उदाहरण–मैं। मध्यम पुरुष–उदाहरण–तुम। अन्य पुरुष उदाहरण–वह। (2) निश्चयवाचक–उदाहरण–यह (3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम–उदाहरण-कोई। (4) संबंधवाचक–उदाहरण –जैसा-वैसा (5) प्रश्नवाचक सर्वनाम–उदाहरण-कौन। (6) निजवाचक सर्वनाम–उदाहरण –स्वयं। 3. वे सर्वनाम शब्द जो बोलने वाले, सुनने वाले अथवा किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–मैं, हम, तुम, आप, वह, वे आदि। 4. **निश्चयवाचक सर्वनाम**–ऐसे सर्वनाम शब्द, जो किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की ओर निश्चित संकेत करते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–यह, ये, वह, वे आदि। **अनिश्चयवाचक सर्वनाम**–जिन सर्वनाम शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान का निश्चित ज्ञान नहीं होता, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–कोई, कुछ, किसी आदि। 5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम**–वे सर्वनाम शब्द जो प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग किए जाते हैं,

उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–कहाँ, क्या, कौन, कैसे आदि। **करने की बारी–** स्वयं करें।

## 9. विशेषण

**( क )** 1. पाँच 2. दो 3. विशेष्य 4. नीली **( ख ) विशेषण–**1. हरी 2. थोड़ा 3. बीस 4. लंबा 5. होशियार **भेद–**1. गुणवाचक 2. परिमाणवाचक 3. संख्यावाचक 4. गुणवाचक 5. गुणवाचक **( ग ) विशेषण–**1. सुंदर 2. मीठे 3. लंबा 4. तेज़ 5. तीन लीटर **विशेष्य–**1. लड़की 2. आम 3. लड़का 4. वर्षा 5. दूध **( घ )** 1. विशेषण के पाँच भेद हैं–(1) गुणवाचक विशेषण (2) परिमाणवाचक विशेषण (3) संख्यावाचक विशेषण (4) सार्वनामिक विशेषण (5) व्यक्तिवाचक विशेषण 2. **गुणवाचक विशेषण**–जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण-दोष, आकार या दशा का ज्ञान कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे–सच्चा, बूढ़ा, नीला, ऊपर, नया, मीठा, बड़ा आदि। 3. परिमाणवाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं–(1) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण (2) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण। **करने की बारी–**स्वयं करें।

## 10. क्रिया

**( क )** 1. देख 2. काट 3. लिखा 4. धोए **( ख )** 1. गा रही है। 2. उड़ रहे हैं। 3. नाच रहा है। 4. बना रहा है। 5. मरम्मत कर रहा है। **( ग )** 1. माया नाच रही है। 2. बकरी घास खाती है। 3. चाचा जी दौड़ रहे हैं। 4. कौआ काँव-काँव करता है। **( घ )** 1. वे शब्द, जिनसे किसी कार्य के करने अथवा होने का पता चलता है, क्रिया कहलाते हैं; जैसे–'खेल रही है', 'बह रही है' क्रिया शब्द हैं। 2. **सकर्मक क्रिया**–वाक्य में जिस क्रिया को स्पष्ट करने के लिए, कर्म की आवश्यकता होती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। 3. **अकर्मक क्रिया**–वाक्य में जिस क्रिया को स्पष्ट करने के लिए, कर्म की आवश्यकता नहीं होती है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। 4. सकर्मक क्रिया में कर्म की आवश्यकता होती है, जैसे-(क) किसान **बीज** बो रहा है। (ख) शोभा **किताब** पढ़ती है। अकर्मक क्रिया में कर्म की आवश्यकता नहीं होती है। जैसे-(क) कुत्ता भौंकता है। (ख) चिड़ियाँ उड़ रही हैं। **करने की बारी–**स्वयं करें।

## 11. काल

**( क )** 1. क्रिया के होने के समय को 2. तीन 3. भविष्यत् काल **( ख )** 1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. वर्तमान काल 4. भविष्यत् काल 5. भूतकाल **( ग )** 1. रवि बाँसुरी बजाता है। 2. केशव ने पत्र लिखा। 3. वर्षा होगी। **( घ )** 1. क्रिया का वह रूप, जिससे किसी कार्य के करने या होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं; जैसे-हम कल दिल्ली गए थे। अध्यापिका पढ़ा रही हैं। कल हम पिकनिक पर जाएँगे। इन वाक्यों की क्रियाओं के रूप से

कार्य के समय का बोध हो रहा है। 2. जिस क्रिया के द्वारा किसी कार्य के वर्तमान (चल रहे) समय में होने का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं; जैसे–(क) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ। (ख) धोबी कपड़े धो रहा है। (ग) गाय घास चर रही है। 3. जिस क्रिया के द्वारा किसी कार्य के बीते हुए समय में होने का बोध होता है, उसे भूत काल कहते हैं; जैसे–(क) दर्जी ने कपड़े सिले। (ख) बच्चे मैदान में खेल रहे थे। (ग) छात्रों ने गीत गाया। 4. जिस क्रिया के द्वारा किसी कार्य के आने वाले समय में होने का बोध होता है, उसे भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे–(क) आप कल कहा जाएँगे? (ख) हमारी परीक्षा शुक्रवार से शुरू होंगी। (ग) मैं गाँव जाऊँगा। **करने की बारी**–स्वयं करें।

## 12. अविकारी शब्द

**( क )** 1. रीतिवाचक 2. संबंधबोधक 3. विस्मयादिबोधक 4. निपात **( ख )** 1. इसलिए 2. अब 3. के बाद 4. धीरे-धीरे 5. बाप रे! **( ग )** स्वयं करें। **( घ )** 1. क्रिया-विशेषण के चार भेद हैं–(अ) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण (बा) कालवाचक क्रिया-विशेषण (स) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण (द) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण 2. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण के दो भेद हैं-धीरे-धीरे, तेज़। 3. समुच्चयबोधक अव्यय का प्रयोग दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने के लिए होता है। 4. वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम के साथ जुड़कर उनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ बताते हैं संबंधबोधक अव्यय कहलाते हैं। **करने की बारी**–स्वयं करें।

## 13. विलोम शब्द

**( क )** 1. अवगुण 2. रंक 3. निराशा **( ख )** 1. उत्तर 2. गरीबों 3. सफेद 4. गर्म **( ग )** 1. कुमार्ग 2. कटु 3. अनर्थ 4. लाभ 5. हर्ष **( घ )** निर्बल, पश्चिम, नरक, अस्त, सुलह, दंड **करने की बारी**–स्वयं करें।

## 14. पर्यायवाची शब्द

**( क )** 1. धरा 2. खेत 3. हय 4. पुत्र **( ख )** 1. चपला 2. तरु 3. समीर 4. तुरंग 5. अंबा **( ग )** 1. **आँख**–नेत्र, नयन 2. **राजा**–नृप, भूपति 3. **पृथ्वी**–भू, धरा 4. **समुद्र**– जलधि, अंबुधि 5. **सूर्य**–सूरज, दिनकर। **( घ )** स्वयं करें। **करने की बारी**–स्वयं करें।

## 15. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

**( क )** 1. कृतघ्न 2. सहपाठी 3. साप्ताहिक (ख) 1. (स) 2. (द) 3. (अ) 4. (य) 5. (ब) **( ग )** 1. कवि 2. अजेय 3. सत्यवादी 4. अतिथि 5. अल्पसंख्यक **करने की बारी**– स्वयं करें।

## 16. अनेकार्थी शब्द

**( क )** स्वयं करें। **( ख )** 1. एक फल, साधारण 2. धन, मतलब, परिणाम 3. रंग, जाति, अक्षर

4. गेहूँ, धतूरा, सोना 5. ताकत, रस्सी की ऐंठन **करने की बारी–**स्वयं करें।

## 17. विराम चिह्न

**( क )** 1. ? 2. ''.....'' 3. निर्देशक चिह्न **( ख )** 1. ममता मुंबई गई थी। 2. छि: छि:! वहाँ कितनी गंदगी है। 3. कल तुम क्यों नहीं गए? 4. नौकर ने कहा, ''चाय बन गई है।'' 5. कृष्ण सुनो, ''उसे मत जाने दो।'' 6. क्या अभिमन्यु मारा गया? **( ग )** 1. लिखते समय रुकने का संकेत देने और कथन का अर्थ समझाने के लिए, जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं। 2. (1) कल निरंतर (लगातार) वर्षा होती रही। (2) 'विदेशी' (दूसरे देश की) वस्तुओं का प्रयोग मत करो। 3. निर्देशक चिह्न का प्रयोग निर्देश देने तथा अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए किया जाता है; जैसे–(1) उचित विकल्प चुनिए– (ख) टोकरी में कुछ फल हैं; जैसे–आम, केले, सेब, अमरूद आदि। **करने की बारी–**स्वयं करें।

## 18. अशुद्धि संशोधन

**( क )** 1. आशीर्वाद 2. पुरस्कार 3. अधीन 4. त्योहार 5. मिठाइयाँ 6. प्रणाम **( ख )** 1. हिंदू 2. प्रसाद 3. गुरु 4. पत्नी 5. तिथि 6. बीमारी 7. भूख 8. शुरू 9. कृपया 10. परीक्षा **( ग )** 1. फल काटकर मोना को खिलाओ। 2. मेरे मामा जी कल आएँगे। 3. पेड़ पर बंदर बैठा है। 4. पेड़ से नारियल गिरा। 5. वे जा रहे हैं। 6. मुझे परीक्षा में प्रथम आना है। 7. आप लोग क्या खा रहे हैं? 8. तुम्हारी पुस्तकें कहाँ हैं? 9. तुमने यह बात क्यों बताई? 10. उसके दादा जी आ गए। 11. मैं मुंबई जा रहा हूँ। 12. वे कल यहाँ आएँगे। 13. हमें कल बाज़ार जाना है। 14. अनेक लोग प्रात: भ्रमण कर रहे थे। 15. तुम्हारे कपड़े गंदे हो गए हैं। **करने की बारी–**स्वयं करें।

## 19. वाक्य-विचार

**( क )** 1. शब्द का 2. ये दोनों 3. रेखा **( ख )** 1. कोयल 2. स्कूल 3. किसान 4. आम 5. तोता **( ग ) उद्देश्य–**1. अध्यापक 2. हलवाई 3. माता जी 4. लेखक 5. दादाजी **विधेय–**1. पढ़ा रहे हैं। 2. रसगुल्ले बना रहा है। 3. खाना खा रही हैं। 4. कहानी लिख रहा है। 5. पार्क जा रहे हैं। **( घ )** 1. निश्चित शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं। 2. वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं; जैसे-माधव केला खाता है। इस वाक्य में 'माधव उद्देश्य है। 3. उद्देश्य या कर्ता के विषय में जो कुछ कहा जाए, वह विधेय कहलाता है; जैसे-पिताजी कार्यालय जाते हैं। इस वाक्य में 'कार्यालय जाते हैं' विधेय है। **करने की बारी–**स्वयं करें।

## 20. मुहावरे

**( क )** 1. शिकायत करना 2. भाग जाना 3. बहुत खुश होना **( ख )** 1. बहुत प्यारा 2. मूर्ख 3. तैयार होना 4. बहुत दिन बाद दिखाई देना। 5. गुस्सा होना **करने की बारी–** स्वयं करें।